

ज्ञान मंथन

- 1) महाराष्ट्र सरकार ने मार्च 2025 में किस जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज के पहले मंदिर का उद्घाटन किया?
- 2) हाल ही में राजस्थान के किस टाइगर रिजर्व में एक दुर्लभ कैराकल देखा गया?
- 3) बिहार सरकार ने हाल ही में क्या नामा महोत्सव किस शहर में आयोजित किया है?
- 4) आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप के प्रवेश संस्करण की मेजबानी कौन सा देश कर रहा है?
- 5) भारत के राष्ट्रपति राम कोविंद श्रुतवा द्वारा संचालित अंतरिक्ष मिशन का नाम क्या है?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)



उत्तर माला

- (1) ठाणे जिले के भिवंडी (2) मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व (3) बैंगलुरु (4) यूपी (5) एलिसओम-4 मिशन

महेशिवरात्रि के अवसर पर शिव मंदिर चिखली में जस गायन प्रतियोगिता का समापन

राजनानंदगांव (नांदगांव टाइम्स)। महेशिवरात्रि के पवित्र पर्व पर शिव मंदिर चिखली स्थित शांतिवन में आयोजित दो दिवसीय जस गायन प्रतियोगिता का समापन कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर शिव मंदिर चिखली के अध्यक्ष डॉ. विनय कुमार पौषा ने प्रमुख अतिथि के रूप में भाग लिया।



प्रमुख अतिथि के रूप में डा. विनय कुमार पौषा ने प्रमुख अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और कहा कि गायन एक पवित्र कला है जो हमारे जीवन को सुंदर बनाती है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और कहा कि गायन एक पवित्र कला है जो हमारे जीवन को सुंदर बनाती है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और कहा कि गायन एक पवित्र कला है जो हमारे जीवन को सुंदर बनाती है।

निधन

प्रेमबहादुर सिंह

राजनानंदगांव (नांदगांव टाइम्स)। सेवाविश्व कृषि अधिकारी श्री प्रेमबहादुर सिंह का आज संस्था निधन हो गया। वे 87 वर्ष के थे। उन्होंने बीआरपी गुरु प्रवर्तन गुरु स्थित निज आवास में अंतिम सांस ली। वे बीते कुछ समय से उच्च संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। वे निधन के बाद अंत्येष्टि करवा दी गई। वे गुरुप्रवर्तन गुरु स्थित निज आवास में अंतिम सांस ली। वे बीते कुछ समय से उच्च संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। वे निधन के बाद अंत्येष्टि करवा दी गई। वे गुरुप्रवर्तन गुरु स्थित निज आवास में अंतिम सांस ली।

पीएम आवास योजना से बना सपनों का आशियाना

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम नांदगांव टाइम्स

जिला के जपद पंचायत पंडरीया के ग्राम पंचायत डबरी निवासी श्याम बाई और उनके पति परसम को दैनिक जीवन शैली एक सामान्य किसान परिवार की है। आज से कुछ समय पूर्व उनका जीवन अभावों से घिरा हुआ था। एक साधारण किसान, गी पालन एवं दिहाड़ी मजदूरी ही परिवार के भरण पोषण का मुख्य साधन है। इन परिस्थितियों के बीच उन्हें मकान का सपना उनके परिवार के लिए बहुत बड़ा और नाइसमिती से भरा था। यह परिवार जिस पुराने और कच्चे मकान में निवास करता था वह जर्जर हो चुका था। बरसात का मौसम आते ही उनके परिवार पर चिंता के बादल मंडराते लगते थे। मकान की दीवारें भी टट्टर, छत से टपकता पानी और कभी दीवारों के ढह जाने का भय यह सब उनके जीवन का हिस्सा बन चुका था। हर वर्ष बारिश से पहले थोड़ी बहुत बचत से मकान को मरम्मत में खर्च करता पड़ता था। परिवारमयस्क उनकी आय का बड़ा हिस्सा अस्थायी सुधार में खर्च हो जाता था जिससे जीवन में आगे बढ़ने के अवसर और भी सीमित हो जाते थे। हदनी संघर्षों के बीच वर्ष 2024-25 में उनके जीवन में अशा की वंदी किरण बनकर प्रथममंत्री आवास योजना ग्रामीण ने बड़ा परिवर्तन कर दिया। इस

योजना में श्याम बाई का चयन होने के उपरान्त आवास पंजीयन हुआ और उन्हें 1.20 लाख रुपये की सहयोग राशि तीन किस्तों में उनके बैंक खाते में ऑनलाईन डीबीटी के माध्यम से प्राप्त हुई। ग्राम पंचायत स्तर तक मैदानी कर्मचारियों के मार्गदर्शन एवं सहयोग से श्यामबाई और उनके पति परसम का निर्धारित समय-सीमा में पके मकान का निर्माण कार्य पूरा हो गया। प्रथममंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आवास के साथ ही श्याम बाई को महामा गांधी नरगा योजना से 90 मबा रिवस का अकुल मजदूरी के बदले लगभग 22 हजार रुपये का पारिश्रमिक राशि प्राप्त हुआ, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण से शौचालय, प्रथममंत्री उज्ज्वला योजना से गैस-चूल्हा, जल-जल योजना से पाने का पानी, विद्युत, स्वच्छ योजना से आयुधम काई, खाद्य योजना से राशन कार्ड, मुख्यमंत्री पेसन योजना से प्रतिमाह 500 रुपये एवं माहुरी वंदन योजना से 500 रुपये प्रतिमाह उनके खाते में प्राप्त हो रहा है। साथ ही अन्य शासकीय योजना से श्याम बाई और उनका परिवार लाभान्वित हो रहा है। श्याम बाई और



उनका परिवार प्रथममंत्री और मुख्यमंत्री का आधार ब्यक्त करते हैं। श्यामबाई देते हुए कहते हैं कि जो हम कभी नहीं कर सकते वो सपना सरकार ने पूरा कर दिया। अपने पके आशियाना में रहते हुए श्याम बाई कहती हैं कि प्रथममंत्री आवास योजना मेरे परिवार के लिये बड़ा बदलाव है। पहले जर्जर कच्चा मकान था, वही आज एक सुन्दर और मजबूत पक्का घर खड़ा है। वह सिर्फ ईंट और सीमेंट का ढांचा नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक जीवन में बड़े बदलाव का प्रतीक है और उन्नति का साधन भी।

सभी पात्र परिवारों को उनका घर मिले यही हमारा लक्ष्य है-कलेक्टर गोपाल वर्मा

कलेक्टर कबीरधाम गोपाल वर्मा ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा प्रथममंत्री आवास के निर्माण कार्य पर लगातार सर्वेदनशीलता से कार्य कर रहा है। स्वीकृत आवारों को समय पर पूर्ण करने के लिए निर्माण कार्य की समीक्षा, हिराहाईलों को समय पर निर्माण कार्य का ऑवर्डन एवं कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हमारे लक्ष्य है कि जिले के

सभी पात्र परिवारों को उनका अपना पक्का घर समय पर बनकर मिल जाए। यही कारण है कि बहुत ही अल्प समय पर जिले में लगभग 28000 परिवारों ने अपने सपने घरों का स्वर्ण से निर्माण कर चुक प्रवेश कर लिया है।

आवास हिराहाईलों को सभी जल्दी सहवता उपलब्ध कराई जा रही है- सीईओ जिला पंचायत श्री विनय कुमार पौषा

जिले में प्रथममंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत हो रहे कार्यों के संबंध में जानकारी देते हुए सीईओ जिला पंचायत श्री विनय कुमार पौषा ने बताया कि वर्ष वित्तीय वर्ष 2024-25 में 50869 हिराहाईलों का आवास की स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृति के बिना 2578 अलग 2578 हिराहाईलों का प्रथम, 33116 हिराहाईलों का द्वितीय एवं 25378 हिराहाईलों का तृतीय किस्त का राशन उनके बैंक खाते में ऑन लाईन डीबीटी के माध्यम से अंतरित कर दिया गया है। हमारे मैदानी कर्मचारी लगातार निर्माणधीन आवासों का निरीक्षण कर हिराहाईलों को सभी जल्दी सहवता उपलब्ध करा रहे हैं। जिले में 27966 ग्रामीण परिवारों के नय सुन्दर आवास बनकर तैयार हो चुके हैं और ग्रामीण परिवार अपने घरों में खुशी से निवास कर रहे हैं।

आचार्य विद्यासागर महाराज के द्वितीय समाधि स्मृति दिवस पर जैन मंदिर में आचार्य छत्तीसी विधान, वृद्धाश्रम में फल वितरण

राजनानंदगांव

(नांदगांव टाइम्स)

आचार्य विद्यासागर महाराज के द्वितीय समाधि स्मृति दिवस पर कुसुम्बर को शहर के जैन मंदिर में विधि धार्मिक अनुष्ठान श्रद्धा और भक्ति भाव से संचयन हुए। इस अवसर पर दिगंबर जैन समाज द्वारा आचार्य छत्तीसी विधान का आयोजन किया गया तथा वृद्धाश्रम में फल वितरण कर सेवा कार्य किया गया। दिगंबर जैन पंचायत के सचिव सुर्वकांत जैन ने बताया कि प्रातः 7 बजे मूलनकर भावन 1008 नैमिषा का अभिषेक एवं शोभिधारा संचयन हुए। यह अनुष्ठान आर्थिक श्रेष्ठ 105 सिद्धांत प्रति माताजी, विनती पति माताजी एवं विनय मति माताजी के सांनिध्य में संचयन कराया गया। इसके पश्चात आचार्य श्री की पूजा एवं आचार्य छत्तीसी विधान माताजी के संसंध सांनिध्य में संचयन हुआ। मौके पर पुन्य सिद्धांत प्रति माताजी एवं विनय मति माताजी ने मंगल देशन देते हुए गुरु महिमा का विसार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि संसार में गुरु से बड़कर कोई नहीं होता और जिनके जीवन में गुरु नहीं, उनका जीवन भी अग्रं प्रभं ही नहीं हुआ। माताजी ने आचार्य



श्री के विधि धार्मिक एवं धार्मिक प्रकाशों का उल्लेख करते हुए, शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिभाशाली, रचना शक्ति के क्षेत्र में गीतकार, पत्रकारिता के क्षेत्र में पत्रकार, वैद्यक क्षेत्र में वैद्यक के लिए रुचिका, वैद्यक संस्थाओं को प्रेरणा का उल्लेख किया। धार्मिक एवं वैद्यक की दिशा कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि आचार्य श्री ने जिन शासन की पक्षा अपने प्रथम शिष्य नवाचर 108 समय सागर जी महाराज को सीफकर नई दिशा प्रदान की है और उनके मार्गदर्शन में अनेक भव्य आयोजन मोक्षार्णों की ओर अग्रसर होगी। आचार्य श्री की पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की अर्पणं यम हो गई। कार्यक्रम के पश्चात दिगंबर जैन पंचायत एवं आदर्श महिला मंडल द्वारा वृद्धाश्रम पहुंचकर फल वितरण किया गया तथा आचार्य श्री के जीवन पर संस्मरण साझा किए गए। इस अवसर पर प्रकाशचंद्र (पप्पू पैग), अनिल बड़कूल, अश्विनेश जैन, कालिका जैन, सारिका जैन, शाश्वती जैन, मीना जैन, वंदना जैन एवं बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रवक-श्रविकाएं उपस्थित रहे।

गन्ना उत्पादक किसानों के लिए खुशहाली के नए द्वार खुल गए

बालोद (नांदगांव टाइम्स)

जिले में गन्ना उत्पादक किसानों के लिए खुशहाली के नए द्वार खुल गए हैं। जिला प्रशासन की अभिनव पहल से जिला खनिज न्यास के वित्तीय सहयोग से रीक्षरी मैग सहकारी शर्करा कारखाना को प्रदेन की पहली अत्याधुनिक गन्ना हॉवरेटर मशीन मिल गई है। यह कदम न केवल खेती को आसान बनाएगा, बल्कि गन्ना उत्पादक किसानों की आर्थिक स्थिति को भी मजबूती प्रदान करेगा। रीक्षरी मैग सहकारी शर्करा कारखाना शहर के प्रबंध संचालक श्री आर पी राठिया ने बताया कि बालोद जिले में यह अत्याधुनिक मशीन गन्ना कटाई की पूरी प्रक्रिया को बदल दिया है। जहाँ पहले कटाई में हस्तों लगते थे, वहीं यह मशीन एक ही दिन में 80 से 100 टन गन्ने को कटाई और छिलवाई कर सकती है। अब किसानों को गन्ना को कटाई हेतु मजदूरों के लिए श्रधकन नहीं पड़ेगा। कटाई, छिलवाई और लोडिंग का काम एक साथ होने से लागत में भारी कमी आएगी।



उन्होंने बताया कि मशीन गन्ने को कटाई इस तरह से करती है कि किसानों को अम्ली फसल के लिए जैन्टन (ट्रैक्टर) का अलग से प्रबंधन नहीं करना होगा। कटाई के साथ ही गन्ना संधे इन्वेन्टर के जरिए ट्रैक्टर या ट्रक में लोड हो जाते हैं, जिससे परिवहन भी तेज होता है। गन्ना हॉवरेटर के गन्ना उत्पादक किसान श्री रामेश्वर देवसुम ने अपनी खुशी साझा करते हुए बताया कि वे 2017 से गन्ने की खेती कर रहे हैं, पहले मजदूरों की कमी और बहुत खर्च के कारण खेती में मुश्किल कम मिलता था। अब हॉवरेटर मशीन आने से कटाई की चिंता दूर हो गई है। समय पर लोडिंग होने से गन्ना बेचना आसान होगा। जिला प्रशासन के यह पहल इस किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। बालोद जिला प्रशासन का यह त्यागार जिले में गन्ना उत्पादन के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगा।

संपूर्णता अभियान के कार्यों की हुई समीक्षा

जिला पंचायत सीईओ ने विभागों को दिए कई निर्देश

पदमराज सिंह ठाकुर

कबीरधाम नांदगांव टाइम्स

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कुसुम्बर विनय कुमार पौषा द्वारा समय सीमा की बैठक के दौरान संपूर्णता अभियान 2.0 की विवरण समीक्षा की गई। बैठक में सभी 6 इंडिकेटर को शत प्रतिशत पूरा करने के निर्देश दिए गए। सभी विभागों के लिए निर्धारित क्षेत्रों में कार्य को प्राथमिकता के साथ समय सीमा के भीतर लक्ष्य पूरा करने निर्देशित किया गया। इसके साथ ही लक्ष्य की पूर्ति के लिए मैदानी कर्मचारियों के कार्यों को नियमित समीक्षा करने के निर्देश भी दिया गए। सीईओ श्री विनय कुमार पौषा ने संबंधित विभाग शिवा, महिला बाल विकास विभाग एवं पशुपालन विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि लक्ष्य के अनुरूप कार्य को गति दें।



1. आंगनवाड़ी - आंगनवाड़ी केंद्रों में मूलभूत सुविधाओं में वृद्धि और बच्चों का बचन कर स्वास्थ्य परीक्षण के साथ जुड़ी अन्य गतिविधियां।
2. स्वास्थ्य और सुविधा - सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में शत प्रतिशत स्वच्छता हेतु शौचालय को व्यवस्था करना।
3. आंगनवाड़ी केंद्रों में स्वच्छ पेय जल सुविधाओं की शत प्रतिशत उपलब्धता।
4. शिक्षा - छात्राओं के लिए पचास शौचालय की सुविधा सुलभों में उपलब्ध करना।
5. कृषि और पशुपालन - टीकाकरण प्रशुओं (एम्पमडी) का प्रतिशत बढ़ाना।
6. इन गैस को भरने के लिए संपूर्णता अभियान 2.0 को ध्यान में रखते हुए तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयास के संबंध में रिपोर्ट तैयार कर जिला पंचायत में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान विभागों से संबंधित जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

धर्म समाचार....

वैदिक पंचांग के अनुसार, रविवार 01 मार्च को फाल्गुन महीने का अंतिम प्रदीप व्रत है। रविवार के दिन पढ़ने के चलते यह रवि प्रदीप व्रत कहलाएगा। रवि प्रदीप व्रत करने से साधक के सुख और शोभाय में वृद्धि होती है। साथ ही आरोग्य जीवन का वरदान मिलता है। ज्योतिषियों की मानें तो फाल्गुन माह के अंतिम प्रदीप व्रत पर दुर्लभ शोभन योग समेत कई मौलिकारी संयोग बन रहे हैं। इन योग में भावना शिव और मां पार्वती की पूजा करने से साधक को जीवन में सभी प्रकार के धीरिक्त सुखों की प्राप्ति होगी। आइए, शुभ मुहूर्त एवं योग के बारे में जानते हैं।



कब मननाया जाता है प्रदीप व्रत प्रदीप व्रत के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर प्रदीप व्रत मनाया जाता है। यह दिन देवों के देव महर्षि की सम्पत्ति होता है। इस शुभ अवसर पर भावना शिव और मां पार्वती की देवी मां पार्वती की पूजा की जाती है।

फाल्गुन माह के अंतिम प्रदीप व्रत पर दुर्लभ शोभन योग का संयोग बन रहा है। शोभन योग प्रदीप व्रत 02 बजकर 33 मिनट तक है। शुभ कार्य करने के लिए शोभन योग की श्रेष्ठ मनाया जाता है। इस योग में भावना शिव की पूजा करने से शुभ कार्यों में सफलता मिलेगी।

रवि पुष्य योग रवि प्रदीप व्रत पर रवि पुष्य योग का भी निर्माण हो रहा है। इस योग का संयोग सुबह 06 बजकर 58 मिनट से लेकर सुबह 08 बजकर 34 मिनट तक है। इस योग में भावना शिव की पूजा करने से अत्यंत सफल प्राप्त होगा। इसके साथ ही रवि योग का भी संयोग है।

नक्षत्र एवं चरण फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर पुष्य और अश्लेषा नक्षत्र का संयोग है। वहीं, कलश, वैदिक और कर कर्ण के योग हैं। इन योग में भक्ति भाव से शिव-शक्ति की पूजा की जाएगी।

मौन संक्रांति पर एकादशी का दुर्लभ संयोग, यहां नोट करें तिथि से लेकर मुहूर्त और पारण का सही समय वैदिक पंचांग के अनुसार, मंगलवार 15 मार्च को मौन संक्रांति और पापमोचनी एकादशी है। पापमोचनी एकादशी हर साल वैश्व माह के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि के अगले दिन मनाई जाती है। इस शुभ अवसर पर लक्ष्मी नारायण की को विशेष पूजा की जाती है। साथ ही पापमोचनी एकादशी का व्रत करना चाहिए। धार्मिक मत है कि पापमोचनी एकादशी का व्रत करने से साधक द्वारा जाने-अनजाने से किए गए पापों से मुक्ति मिलती है। आसान शब्दों में कहें तो समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। साथ ही लक्ष्मी नारायण की को विशेष पूजा बरसती है। आइए, पापमोचनी एकादशी की सही तिथि, शुभ मुहूर्त एवं योग जानते हैं।

पापमोचनी एकादशी शुभ मुहूर्त - वैश्व माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को शुक्रवार 14 मार्च को सुबह 09 बजकर 16 मिनट पर समाप्त होगी। सनतान पर्व में उरया तिथि मान है। इसके लिए 15 मार्च को पापमोचनी एकादशी मनाई जाएगी। वहीं, पापमोचनी एकादशी का पारण 16 मार्च को सुबह 05 बजकर 58 मिनट से लेकर सुबह 08 बजकर 22 मिनट के मध्य कर सकते हैं।

मौन संक्रांति - आत्मा के कारक सूर्य देव 15 मार्च को देर रात 01 बजकर 08 मिनट पर कृष्ण राशि से निकलकर मीन राशि में गीर करेगा। इसके लिए 15 मार्च को मौन संक्रांति मनाई जाएगी। मीन राशि में सूर्य देव एक महीने तक रहेगा। इसके बाद मेष राशि में गीर करेगा। सूर्य देव के भूत और मीन राशि में रहने के दौरान खराबाम लगता है। इस दौरान शुभ काम नहीं किया जाता है।

मौन संक्रांति शुभ मुहूर्त - मौन संक्रांति के दिन सुबह 06 बजकर 41 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 40 मिनट तक शुभ काल रहेगा। वहीं, सुबह 06 बजकर 41 मिनट से लेकर सुबह 08 बजकर 41 मिनट तक महा शुभ काल रहेगा। इस प्रकार 15 मार्च को मौन संक्रांति और पापमोचनी एकादशी का दुर्लभ संयोग बन रहा है।



मौन संक्रांति - आत्मा के कारक सूर्य देव 15 मार्च को देर रात 01 बजकर 08 मिनट पर कृष्ण राशि से निकलकर मीन राशि में गीर करेगा। इसके लिए 15 मार्च को मौन संक्रांति मनाई जाएगी। मीन राशि में सूर्य देव एक महीने तक रहेगा। इसके बाद मेष राशि में गीर करेगा। सूर्य देव के भूत और मीन राशि में रहने के दौरान खराबाम लगता है। इस दौरान शुभ काम नहीं किया जाता है।

मौन संक्रांति शुभ मुहूर्त - मौन संक्रांति के दिन सुबह 06 बजकर 41 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 40 मिनट तक शुभ काल रहेगा। वहीं, सुबह 06 बजकर 41 मिनट से लेकर सुबह 08 बजकर 41 मिनट तक महा शुभ काल रहेगा। इस प्रकार 15 मार्च को मौन संक्रांति और पापमोचनी एकादशी का दुर्लभ संयोग बन रहा है।

